श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

शिक्षण अधिगम केन्द्र

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

चरण-V, कार्यक्रम सं. – 09

त्रि-दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

ई-कोर्स अभिकल्पन एवं विकास

दिनांक 16 से 18 नवम्बर, 2021 (मंगलवार-बृहस्पतिवार)

परिचय:

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली के शिक्षण अधिगम केन्द्र की स्थापना **शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार** की **पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना** (PMMMNMTT) के पाठ्यचर्या एवं शिक्षणशास्त्र हेतु उत्कृष्टता केन्द्र के घटक के अन्तर्गत हुई है। इस केन्द्र का मुख्य उद्देश्य भाषा शिक्षा विशेषकर संस्कृत से जुड़े अध्यापक एवं अध्यापक शिक्षको में शिक्षण एवं अधिगम प्रणालियों के अभिकल्पन, विकास, क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन हेतु कौशल एवं कुशलताओं का विकास करना है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा केंद्र को **उच्च शिक्षा के नवनियुक्त अध्यापकों हेतु एक मासिक अनिवार्य संकाय अनुबोधन कार्यक्रम (FIP)** के संचालन हेतु जारी 30 नये केन्द्रों की सूची में चिह्नित किया गया तथा उसे संस्कृत विषय में **SWAYAM मंच के माध्यम से Annual Refresher Program in Teaching** (ARPIT – 2018, 2019 व 2020 कोर्स) **के निर्माण एवं संचालन हेतु राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र (NRC) के रूप में भी अधिसूचित किया गया।** इसके साथ केन्द्र द्वारा उच्च प्राथमिक स्तर एवं माध्यमिक स्तर पर **संस्कृत शिक्षण हेतु दो संदर्शिकाओ का प्रकाशन** किया गया है। अभी तक केन्द्र द्वारा **42 कार्यक्रम एवं 3 संकाय अनुबोधन कार्यक्रमों** का सफल आयोजन किया जा चुका है। पंचम चरण के सभी कार्यक्रमों का संचालन माननीय कुलपति महोदय के संरक्षण में किया जा रहा है।

सन्दर्भ:

ई-अधिगम लगभग दो दशकों से हमारे आस-पास रहा लेकिन इसकी प्रमुखता कोविड महामारी के समय में शिखर पर पहुँची जिसके परिणामस्वरूप यह वर्तमान शिक्षा का अनिवार्यतः भाग बन कर उदीयमान हुआ इसलिए शिक्षकों का यह प्रयास होता है कि वह ई-अधिगम को मनहरण, कुशल, अन्तर्क्रियात्मक एवं अधिगमकर्त्ता-केन्द्रित बनाये। इस सम्बन्ध में स्वगति एवं असमकालिक अधिगम के लिये ई-कोर्स अभिकल्पन एवं निर्माण एक उत्तम तरीका है। ये अधिगमकत्ताओं की ज्ञान तथा कौशल लब्धि की प्रवृत्ति और नई चीजे सीखने की जिज्ञासा को सुकर बनाते है। इन कोर्सेज को शिक्षा एवं कौशल विकास के किसी भी क्षेत्र में विकसित किया जा सकता है। अतः अनुदेशनात्मक अभिकल्पनकर्त्ता के रूप में शिक्षकों को ऐसे ई-अधिगम कोर्सेज निर्माण हेतु कौशल होने चाहिए जिनके द्वारा अधिक संख्या में अधिगमकर्त्ता लाभान्वित हो सकेंगे। इस परिप्रेक्ष्य में तीन दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन ई-कोर्स अभिकल्पन एवं विकास सम्बन्धित कुशलताओं को अभिवृद्ध करने के आशय से किया जा रहा है।

उद्देश्य:

इस कार्यशाला के उद्देश्य हैं -

- ई-कोर्स अभिकल्पन के चतुर्थांश उपागम से प्रतिभागियों को परिचित कराना।
- ई-कोर्स निर्माण प्रक्रिया में अन्तर्दृष्टि प्रदान करना।
- ई-कोर्स अभिकल्पन एवं निर्माण सम्बन्धित कौशल एवं कुशलताओं को अभिवृद्ध करना।

लक्ष्य समूह:

- सभी विषयों के उच्च शिक्षा के शिक्षक लेकिन भाषा एवं परम्परागत विषयों जैसे व्याकरण, वास्तुशास्त्र, दर्शन, साहित्य, धर्मशास्त्र, ज्योतिष आदि के शिक्षकों को प्राथमिकता।
- परम्परागत एवं आधुनिक दोनों विश्वविद्यालयों के अध्यापक शिक्षक।
- केवल संस्कृत विषय के TGT तथा PGT शिक्षक।

पंजीकरण:

इस कार्यशाला के लिये **पंजीकरण शुल्क ₹300/- (अप्रतिदेय)** है। इच्छुक प्रतिभागी इस लिंक https://forms.edugfix.com/slbsnsuform/home द्वारा **15 नवम्बर, 2021 को प्रात: 10 बजे तक** ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। अधिकतम प्रवेश क्षमता तक पंजीकरण पहुँचने की स्थिति में यह लिंक अंतिम तिथि से पहले बंद कर दिया जायेगा। पंजीकरण **पहले आओ पहले पाओ** के आधार पर प्रदान किया जाएगा।

सक्रिय प्रतिभाग हेतु अपेक्षित सामग्री : -

1. **लैपटॉप/ कैमरा एवं माइक्रोफोन के साथ कंप्यूटर/स्मार्टफ़ोन।**
2. **कार्यशाला के समय उत्तम इन्टरनेट कनेक्टिविटी कम से कम 5 जीबी डाटा प्रतिदिन।**

महत्त्वपूर्ण सूचना

ऑनलाइन प्लेटफार्म: गूगल मीट

- ✓ प्रतिभाग हेतु **ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य** है।
- ✓ पंजीकरण प्रपत्र में कृपया अपना **वैध ईमेल एवं Whatsapp नंबर** प्रदान करें क्योंकि कार्यशाला सम्बन्धित सभी सम्प्रेषण इन्हीं के द्वारा किये जाएंगे।
- ✓ इस कार्यशाला में प्रतिभाग/ पूर्णता (निष्पादन आधारित ग्रेड) का **ई-प्रमाणपत्र** प्रदान किया जाएगा।
- ✓ **यूजीसी अधिनियम 2018 के अनुसार इस एफडीपी का ई-सर्टिफिकेट करियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के लिए मान्य होगा। (पद संख्या. 18.0 (ix)).**

समन्वयक एवं संयोजक
प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज
निदेशक

सह-संयोजक
डॉ. पिंकी मलिक एवं डॉ. दिनेश यादव

कार्यक्रम सुगमकर्ता
श्री सुरेन्द्र नागर,
श्री ज्ञान चन्द शर्मा,
श्री राकेश काण्डपाल,
श्री अक्षत डबराल
श्री सचिन कुमार

संरक्षक
प्रो. मुरली मनोहर पाठक
कुलपति

आयोजक

शिक्षण अधिगम केन्द्र

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्रदत्त
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016

अन्य जानकारी हेतु-
सम्पर्क सूत्र -9891777666, 9716692396, 8285513959
ई-मेल: tlc@slbsrsv.ac.in वेबसाइट: www.slbsrsv.ac.in